भूमि सम्मान पुरस्कार 2023

19 जिलों को भूमि सम्मान पुरस्कार के साथ ओड़िशा देश का सर्वश्रेठ राज्य बना

डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए ओड़िशा को देश के सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में भूमि सम्मान पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। देश के 68 जिलों में से, ओडिशा के 19 जिलों ने डीआईएलआरएमपी के लक्ष्य को 100 प्रतिशत प्राप्त किया है , जिसके लिए इसे भूमि सम्मान पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है।

भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के कर कमलों से को विज्ञान भवन में 2023 जुलाई 18यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

नबरंगपुर के एडीएम (आगे) और कोडिंगा तहसीलदार (पीछे) के साथ (बीच में) पुरस्कार प्राप्त करते हुए एनआईसी नबरंगपुर के डीआईओ श्री विश्वरंजन भुक्ता (वैज्ञानिक-सी)

उल्लेखनीय बात यह है कि, इसमें राजस्व और डीएम (R & DM) विभाग के सभी सेवाओं को ऑनलाइन एप्लाई किया जा सकता है, ट्रैक किया जा सकता है, और उपलब्ध किया जा सकता है। इस ऑनलाइन सेवा से वर्चुअल कोर्ट के माध्यम से 13,000 से अधिक मामलों की सुनवाई और निपटारा किया गया है। ओडिशा के 19 जिलों ने कई कॉम्पोनेंट में 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया है जैसे पाठ्य अभिलेखों का डिजिटलीकरण, स्थानिक अभिलेखों का डिजिटलीकरण, पाठ्य और स्थानिक डेटा का एकीकरण, डीएसआर/एसआर कार्यालयों का कम्प्यूटरीकरण, तहसील और पंजीकरण कार्यालयों का एकीकरण, आधुनिक रिकार्ड रूम का निर्माण आदि ।

भूमि सम्मान पुरस्कार 2023 के लिए एवं 10 अगस्त 2023 को लोकसेवा भवन कन्वेंशन सेंटर

नवीन पटनायक ने भूमि रिकॉर्ड को कम्प्यूटरीकृत करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए 19 जिलों की टीम को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र वितरित किया।

लोकसेवा कोन्वेंशन सेंटर ,भुवनेश्वर में सम्मान समारोह के दौरान मान्यगण अतिथियों के साथ मुख्य मंत्री श्री नवीन पटनायक

भूमि सम्मान पुरस्कार 2023 के लिए पुनः 10 अगस्त 2023 को, लोकसेवा भवन, कन्वेंशन सेंटर, भुवनेश्वर में एक और सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जहां ओड़िशा के माननीय मुख्यमंत्री, श्री नवीन पटनायक ने भूमि रिकॉर्ड को कम्प्यूटरीकृत करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए 19 जिलों की टीम को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र वितरित किया।

भूमि अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण, कैडस्ट्रल मानचित्रों के डिजिटलीकरण, आरओआर (अधिकारों का रिकॉर्ड) के पाठ्य और स्थानिक डेटा को जोड़ने, तहसीलों के आधुनिक रिकॉर्ड रूमों के कंप्यूटरीकरण, राजस्व कार्यालयों को एसआरओ (उप-रजिस्ट्रार कार्यालयों) के साथ जोड़ने जैसे उत्कृष्ट कार्य के लिए एनआईसी की भूमिका काफी प्रशंसनीय है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने राजस्व प्रशासन और जिलों को पुरस्कार के लिए बधाई दी और कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक अन्य सभी जिलों द्वारा भूमि रिकॉर्ड का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण पूरा कर लिया जाएगा।

पंजीकरण के महा निरीक्षक श्री ज्योति प्रकाश बेहेरा ने अपने धन्यवाद प्रस्ताव में इस उपलब्धि पर **NIC** के बेजोड़ योगदान के लिए काफी सराहना की।

NIC के DDG एवं SIO डॉ श्री अशोक कुमार होता अपने भूमि रेकॉर्ड टीम श्री पवित्रानन्द पट्टनायक,वैज्ञानिक-एफ, श्री जागेश्वर साहू, वैज्ञानिक-एफ, श्रीमती स्वर्ण प्रभा पंडा, वैज्ञानिक-एफ, श्री जे पी बक्शी, वैज्ञानिक-ई,श्री दीपक कुमार अमात, वैज्ञानिक-डी के साथ शामिल हुए।

इस भव्य कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने के लिए राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री श्रीमती प्रमिला मलिक, मुख्य सचिव श्री पीके जेना, आईएएस, मुख्यमंत्री के सचिव (5टी) श्री वी के पांडियन, आईएएस, प्रमुख सचिव इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी श्री मनोज कुमार मिश्रा, आईआरटीएस आदि सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए ।